खाटू से निकलते ही | By Sukhjeet Singh Toni

खाटू से निकलते ही
कुछ दूर चलते ही
पाँव तो जाते ठहर
सांवरे की यादो को
लेके चले है जो
आँखें तो जाती हैं भर
सांवरे से होके जुदा
रहना हुआ है मुश्किल
दर्शन को फिर आएंगे
इनको पुकारे ये दिल
खाटू से निकलते ही .....

देखे उन्हें दिल तो करे
झपके न पलकें कभी
ऐसा हंसी दूजा नहीं
होते दीवाने सभी
वापस है जाना
दिल तो ना माने
आँखों से बहते
गम के तराने
धुंधला सी जाती है डगर
खाटू जो आते हैं
घर भूल जाते हैं
बाबा से मिलती जब नज़र
खाटू से निकलते ही .....

हाथों से है दिल तो गया
ऐसी बंधी डोर है
दीवानो पे बाबा का ही
चलता सदा ज़ोर है
धड़कन में है वो
तन मन में है वो
साँसों में है वो
जीवन में है वो
दिखता है देखें हम जिधर
बेबस तो है चोखानी
टोनी ने हार मानी
दीवानगी है इस कदर
खाटू से निकलते ही .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%95%e0%a4%b2%e0%a4%a4%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%80-by-sukhjeet-singh-toni/